तेरे दिल में मुझको जगह मिली,

मेरा दिल पुकारे मसीह-मसीह,

तेरा प्‍यार है मेरी शिन्‍दगी,

मेरी शिन्‍दगी है मेरा मसीह ।

1. मैं अन्‍ध्‍ेरी राह पर हो लिया,

मैं गुनाह की वादी में खो गया,

तेरी आँख मुझ पे लगी रही,

मेरे पास आई सलामती ।

2. मैं गुनाह के हाथ बिका हुआ

यह है सच कि मैं था मरा हुआ,

तूने मेरी मौत कबूल की,

मुझे बख्‍श दी तूने जिन्‍दगी ।

3. न पिफरूँगा अब कही दर-ब-दर,

तू हुआ है खुद मेरा हम-सपफर,

मुझे मँजिलें हैं पुकारती,

मैं रहूँगा अब तेरे साथ ही ।